

विचार बिन्दु

चेहरा मस्तिष्क का प्रतिबिम्ब है और आँखें बिना कहे दिल के राज खोल देती हैं। -सैट जेरोमे

क्या काँप-27 यानी संयुक्त राष्ट्र का जलवायु शिखर सम्मेलन विश्व के लिये आशा बनेगा?

मिस्स के शर्म अल-शेख शहर में 6 नवम्बर 2022 से प्रारम्भ होकर 18 नवम्बर, 2022 तक संयुक्त राष्ट्र का जलवायु शिखर सम्मेलन काँप-27 चलेगा।

इस वर्ष जिस प्रकार से घटनाक्रम रहा, उसने यह साबित कर दिया कि 'जलवायु परिवर्तन' हो रहा है, यह सत्य है, जिसे झुठलाया नहीं जा सकता। बाढ़ ने पाकिस्तान और नाइजीरिया के बड़े भाग को तबाह कर दिया। अफ्रीका और पश्चिमी अमेरिका में सूखा पहले ही था वह और खराब हो गया। चक्रवातों ने केरिबियन इलाके का सत्यानाश ही कर दिया। उत्तराण्ड (हिमालय के क्षेत्र) में बादल फटने की घटनाओं ने लोगों ने देखा वैसा सर्वनाश पहले कभी नहीं देखा गया। देश में बाढ़ों ने हाहाकार मचा दिया। कई महाद्वीपों में हीटवेव ने जनजीवन खत्म कर दिया। इंग्लैण्ड और यूरोप में लोग गर्मी से तड़प उठे। अमेरिका में गर्मी से जंगलों में आग लग गई, बारिश की जगह बाढ़ ने ले लिया। लोग दाने-दाने को मोहताज रहे। 4 करोड़ लोग भूखमरी की हालत में आ गये। समुद्र की सतह ऊँची हो रही है। पहाड़ पिघल रहे हैं। जंगलों की बर्बादी हो रही है। हजारों प्रजातियाँ नष्ट हो गई हैं।

ऐसी स्थिति देखी गई है कि शायद प्रलय ही आने वाली है, जिसका वर्णन महाकवि जयशंकर प्रसाद ने 'कामायनी' में इस प्रकार किया है:-

“हिमगिरि के उतुंग शिखर पर, बैठ शिला की शीतल छाँह,
क पुरुष, भीगे नयनों से देखे रात्र था प्रलय प्रवाह।

ऊपर हिम था, नीचे जल, एक तरल था एक सघन,
एक तत्त्व की ही प्रथागत-कहो उसे जड़ या चेतन।”

उपरोक्त घटनाओं के कारण विश्व के लीडर्स काँप-27 में भाग लेने आ रहे हैं, इसमें अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन आ रहे हैं ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक व अन्य आ चुके हैं। भारत के पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव भी शामिल हो चुके हैं। दुनियाँ भर के नेता जलवायु परिवर्तन और उसके समाधान के हेतु चर्चा करेंगे। ऐसा समझा जा रहा है कि बैठक में फोकस क्लाइमेट फाइनेंस पर होगा। बैठक से पहले ही यूपन महासचिव एंटोनियो गुटेर्रेस ने यह घोषणा कर दी कि बैठक का मुख्य मुद्दा होगा, गरीबी व अमीरी के बीच का अन्तर कम करना। उनका कहना है कि विकसित देशों को क्लाइमेट चेंज पर डेवलपिंग कंट्रीज के साथ ऐतिहासिक समझौता करना चाहिए अन्यथा दुनियाँ की बर्बादी होगी। संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने कहा, जलवायु परिवर्तन से युद्ध की अपेक्षा अधिक लोग प्रभावित हैं और साथ ही आपदाओं की पूर्व चेतावनी प्रणाली के लिये 25 हजार करोड़ यानी 3.1 बिलियन डॉलर के प्रोजेक्ट की घोषणा की।

विकसित देश प्रत्येक वर्ष 100 बिलियन डॉलर का फण्ड गरीब देशों को देंगे। भारत के प्रतिनिधि भूपेन्द्र यादव, पर्यावरण मंत्री ने भी स्पष्ट किया कि उनका प्रयत्न होगा कि विकसित देश, विकासशील देशों को फाइनेंस व टेक्नोलॉजी का ट्रान्सफर करें; किन्तु यह सम्भव नहीं दिखाई देता।

काँप-27 में यह चर्चा होगी कि विकसित देश यदि उत्सर्जन में कमी नहीं करेंगे तो भयंकर मौसमी आपदाओं से बचना कठिन होगा। काँप-27 के एजेण्डा में यह भी विषय है कि अमीर देश गरीब देशों का मुआवजा दें। विकसित व पिछड़े देशों को साथ साथ आना होगा।

काँप-27 में लगभग 190 देश भाग लेंगे। संयुक्त राष्ट्र के जलवायु परिवर्तन कार्यकारी सचिव साइमन स्टील ने इस अवसर पर कहा कि वह राष्ट्रों को ग्रीन हाउस उत्सर्जन को 45 प्रतिशत कम करने के लक्ष्य से पीछे हटने का विरोध करेंगे जिससे 19वीं सदी के अंत के स्तर से 1.5 डिग्री से ज्यादा बढ़ने न पाये। यह कयास किया जा रहा है कि कहीं चीन-अमेरिका के तनाव के फलस्वरूप शिखर सम्मेलन असफल नहीं हो जावे।

मारकस (मोरक्को) में काँप-22 की भूमिका ऐतिहासिक है, क्योंकि इस शिखर सम्मेलन में क्योटो प्रोटोकॉल का स्थान एक एग्रीमेंट के द्वारा लेने का संकल्प 146 देशों ने अपनी अपनी घोषणा

इस वर्ष जिस प्रकार से घटनाक्रम रहा, उसने यह साबित कर दिया कि 'जलवायु परिवर्तन' हो रहा है, यह सत्य है, जिसे झुठलाया नहीं जा सकता। बाढ़ ने पाकिस्तान और नाइजीरिया के बड़े भाग को तबाह कर दिया। अफ्रीका और पश्चिमी अमेरिका में सूखा पहले ही था वह और खराब हो गया। चक्रवातों ने केरिबियन इलाके का सत्यानाश ही कर दिया।

यह एक मान्य सिद्धान्त है कि जो व्यक्ति अन्य व्यक्ति को अपने कार्यों से नुकसान पहुंचाता है, उसका कर्तव्य है दूसरे की क्षतिपूर्ति करे। यह भी मान्य कथन है कि जलवायु परिवर्तन (क्लाइमेट चेंज) के दोषी विकसित देश हैं और जलवायु परिवर्तन के कारण उन देशों के कर्मों की सजा गरीब देश उठा रहे हैं। अतः गरीब देश मुआवजे की प्राप्ति के अधिकारी हैं और अमीर देश इस मुआवजे की अदायगी के लिये उत्तरदायी हैं किन्तु काँप-27 में ये अमीर देश इस पर चर्चा करने को ही तैयार नहीं हैं।

गत 10 वर्षों से अमीर देश नुकसान व क्षति (लॉस एण्ड डैमेज) के प्रश्न पर शिखर सम्मेलन में चर्चा तक करने से कतरा रहे थे; किन्तु काँप-27 के प्रारम्भ ही में अमीर देशों (विकसित देशों) ने लॉस एण्ड डैमेज के प्रश्न पर चर्चा के एजेण्डा को सहमति दे दी किन्तु इस बात की गारंटी नहीं दी कि मुआवजा दिया जावेगा अथवा उत्तरदायित्व को स्वीकारा जावेगा। काँप-27 के अध्यक्ष समेह शौकरनी ने कहा, "इस एजेण्डे को शामिल करना जलवायु प्रेरित आपदाओं के पीड़ितों के लिये एक जुटा और सहानुभूति की भावना को दर्शाता है।" उन्होंने कहा कि इसके लिये कार्यकर्ता और नागरिक समाज संगठनों के आभारी हैं, जिन्होंने लगातार नुकसान और क्षति के लिये धन पर चर्चा करने के लिये समय की माँग की। अमीर देशों ने अभी तक 100 अरब डॉलर प्रतिवर्ष देने का अपना वायदा भी पूरा नहीं किया है तथा अधिकांश क्लाइमेट फंडिंग कर्ज पर आधारित है।

काँप-27 ऐसे समय हो रही है जब चीन-अमेरिका के बीच तनाव चरम पर है। 120 से अधिक विश्व नेता शिखर सम्मेलन में शामिल हुये हैं, यों सबकी निगाहें चीन के राष्ट्रपति शी-जिनपिंग पर होगी, नतीजा क्या होगा यह भी संदेह के घेरे में है। अतः काँप-27 की सफलता पर संदेह करना उचित होगा। आशा की किरण दिखाई नहीं देती।

इस प्रकार ऐसा प्रतीत हो रहा है कि शिखर सम्मेलन का मुख्य एजेण्डा नुकसान और क्षति पर होगा तथा उन देशों के लोगों ने जिन्हें बाढ़, तूफान आदि के कारण नुकसान हुआ उनकी क्षतिपूर्ति करनी चाहिये। यह भी एजेण्डा में होना चाहिये, फाइनेंस की व्यवस्था कैसे करनी होगी? भारत के प्रतिनिधि पर्यावरण मंत्री श्री यादव ने स्पष्ट कहा कि भारत और उसके देश के नागरिक पूरा प्रयत्न करेंगे कि पर्यावरण को जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव से 2022 से 2027 तक देश को बचा सकें। उनकी धीमी आवाज में सुर मिलाने वाले नगण्य हैं।

यह शिखर सम्मेलन 16 नवम्बर 2022 तक चलेगा, गरीब व विकासशील देशों के प्रतिनिधि व एनजीओ इसमें भाग लेंगे, किन्तु न तो पेरिस एग्रीमेंट की ही पालना देश कर रहे हैं और न नुकसान व क्षतिपूर्ति के हेतु फाइनेंस की वांछित व्यवस्था ही है। भारत कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने का प्रयत्न कर रहा है। सभी देश यह समझ चुके हैं कि तापमान जो 1.5 डिग्री से 0 आगे बढ़ रहा है उसे 2 डिग्री से. से अधिक नहीं बढ़ने दिया जावे यों प्रयास यही हो कि वह 1.5 डिग्री से. पर स्थिर रहे अथवा 2 डिग्री से. से आगे नहीं बढ़े, अन्यथा प्रलय संभव है।

जलवायु परिवर्तन या यों मानें कार्बन उत्सर्जन के कारण प्रकृति मानव के विरुद्ध हो रही है, इस प्रकार यह प्रकरण मानव के जीने के अधिकार से संबंध रहता है। संविधान ने अनुच्छेद 21 में जीने के अधिकार को मूल अधिकार माना है और अन्तर्राष्ट्रीय संधियों में भी इसे मानव अधिकार माना गया है। जब मानव अधिकार को कोई नुकसान पहुंचाता है तो वह कोर्ट में क्षतिपूर्ति का दावा कर सकता है। अतः यदि कोई देश अन्य देश के नागरिकों को नुकसान पहुंचाता है तो वह इन्टरनेशनल कोर्ट ऑफ जस्टिस में कार्यवाही कर सकता है।

काँप-27 शिखर सम्मेलन में उपरोक्त विषयों पर चर्चा होनी चाहिये अथवा काँप-28 का एजेण्डा तय किया जावे।

काँप-27 में 192 देशों के सदस्य देश तथा 45000 रजिस्टर्ड प्रतिनिधि तथा भारत से कई एनजीओ भाग ले रहे हैं, इनमें मुख्य है 'सिकोयडिकॉन, पैरवी, मौसम आदि'।

सबको सम्मति दे भगवान!

-अतिथि सम्पादक,
पानाचन्द्र जैन
पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट



राशिफल

शुक्रवार 11 नवम्बर, 2022

मार्गशीष मास, कृष्ण पक्ष, तृतीया तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत् 2079, मृगशिरा नक्षत्र शनिवार प्रातः 7:33 तक, सिद्ध योग रात्रि 10:02 तक, वणिज करण प्रातः 7:25 तक, चन्द्रमा आज सायं 6:17 से मिथुन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-तुला, चन्द्रमा-वृष, मंगल-मिथुन, बुध-तुला, गुरु-मीन, शुक-तुला, शनि-मकर, राहु-मेघ, केतु-तुला राशि में।

आज राजयोग सूर्योदय से रात्रि 8:18 तक है। भद्रा प्रातः 7:25 से रात्रि 8:18 तक रहेगी। शुक वृश्चिक में रात्रि 8:09 पर प्रवेश करेगा। आज सौभाग्य सुन्दरी व्रत है।

श्रवण चौराडिया: चर सूर्योदय से 8:08 तक, लाभ-अमृत 8:08 से 10:50 तक, शुभ 12:12 से 1:32 तक, चर 4:13 से सूर्यास्त तक। राहुकाल: 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 6:47, सूर्यास्त 5:34

मेघ
आर्थिक कारणों से अटक हुए कार्य बनने लगे। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

तुला
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। व्यावसायिक अड़चनं अभी यथावत बनी रहेगी। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य गिरावू सकते हैं। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा।

वृष
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होगा। अटक हुए कार्य बनने लगे। चलते कार्यों में आ रही अड़चनं दूर होने लगेगी। आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

वृश्चिक
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं। व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा।

मिथुन
आर्थिक मामलों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। धन हानि हो सकती है। नौकरपेशा व्यक्तियों को उच्चायिकारियों की नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है।

धनु
व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। संभावित खोत से धन प्राप्त होगा। घर-परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

कर्क
व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है। व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा। आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

मकर
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक सफलता से मनोबल बढ़ेगा। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेंगी। नौकरपेशा व्यक्तियों को तनाव से राहत मिल सकती है। व्यक्तित्व प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

सिंह
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रतासुगमता से बनने लगे। व्यावसायिक तार्ता सफल रहेंगी। आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

कुंभ
घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेंगी। शुभ कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है। परिवार में मांगलिक संदेश प्राप्त होगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। शुभ कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होगा।

मीन
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। आवश्यक कार्यों में परिश्रम से सहयोग मिलेगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

स्वतंत्र भारत में प्रजातंत्र एवं गणतंत्र की मजबूत नींव के निर्माण कर्ता शिल्पकार नेहरू

आधुनिक भारत के शिल्पकार नेहरूजी निर्विवाद रूप से हमारे स्वतंत्रता संघर्ष के महानतम प्रमुख नेताओं में अग्रणी थे और वे ही वो स्वतंत्रता सेनानी थे जिन्हें नौ बार जेल में डाला गया और उन्होंने 3359 दिन जेल में बिताए। उन नौ वर्षों में उन्होंने कई किताबें लिखीं, जिन्हें आज तक करोड़ों लोगों ने पढ़ा है। सच तो यह है कि आजाद भारत को उस वक़्त जब भारत में मामूली सुई तक नहीं बनाई जाती थी हर वस्तु का निर्यात होता था। आज विरोधी लोग जवाहरलाल पर भारत पर परिवारवाद वंशवाद धोपने का आरोप लगाते हैं वे भूल जाते हैं कि नेहरूजी ने अपने जीवन काल में अपनी इकलौती बेटी इंदिरा को ना तो कभी मंत्री बनाया और ना ही एमपी। उस वक़्त देश के करोड़ों युवा उनके जैसे वस्त्र पहनने लगे।

पीयूष बबले की किताब "नेहरू मिथक और सत्य" के कुछ अंश इतिहासकार रामचंद्र गुहा ने अपनी किताब मोडर्न मेकअप इंडिया में लिखा है नेहरू जहाँ धर्म विरक्त थे, वहाँ गांधी अपने विश्वासों के अनुरूप ईश्वर पर आस्था रखते थे। नेहरू भारत की पारंपरिक गरीबी से मुक्ति पाने के लिए औद्योगीकरण को ही एक मात्र विकल्प मानते थे, जबकि गांधी ग्रामीण अर्थ व्यवस्था के पक्षधर थे।

इन असहमतियों के साथ दोनों के बीच बुनियादी सहमतियाँ भी थीं, दोनों व्यापक अर्थ में सच्चे देशभक्त थे, जिन्होंने किसी जाति, भाषा, क्षेत्र, धर्म या कि किसी भी तरह अधिनायकवादी सरकार के साथ होने के बजाय अपने को पूरे देश के साथ एकता कर लिया था। दोनों हिंसा और अधिनायकवाद को नापसंद करते थे। उन जन के नायक नेहरू जी ने भारत में अनेकों शक्तिशाली संस्थाओं की स्थापना की जिससे देश के अन्दर प्रजातांत्रिक व्यवस्था मजबूत और स्थिर हो सके, इन संस्थाओं में लोकसभा, विधानसभा, स्वतंत्र एवं



डॉ. जे. के. गर्ग

दिल्ली में प्रथम एशियाई खेलों का आयोजन करवाया।

देश में योजनावद्ध विकास हेतु योजना आयोग की स्थापना की गई। दूसरे महायुद्ध के बाद विश्व दो गुटों में विभाजित हो गया था। भारत ने यह फैसला किया कि वह दोनों में से किसी गुट में शामिल नहीं होगा। हमारी गुटनिरपेक्षता की नीति के कारण सारी दुनिया में भारत की प्रतिष्ठा बढ़ी और जवाहरलाल नेहरू गुटनिरपेक्ष देशों के सर्वाधिक शक्तिशाली नेता बन गये। नेहरू जी मानते थे बिना शांति के, सभी सपने टूट जाते हैं और राख में मिल जाते हैं। नेहरू जी ने बलाया की शायद जीवन में डर से बुरा और खतरनाक कुछ भी नहीं है। समाजवाद... ना केवल जीने का तरीका है, बल्कि सामाजिक और आर्थिक समस्याओं के निवारण के लिए एक वैज्ञानिक दृष्टिकोण है। नेहरूजी ने अनेकों किताबें लिखीं जिनमें डिस्कवरी ऑफ इंडिया, एन ओटोबायोग्राफी लिटमिस्स ऑफ वर्ल्डहिस्ट्री, पुत्री के नाम पिता के पत्र प्रमुख हैं। चाचा नेहरू ने अपने तरोतजा रहने का राह बताते हुये कहा- इसके तीन कारण हैं। यथा- बच्चों को बहुत प्यार करता हूँ, उनके साथ खेलने की कोशिश करता हूँ, इससे मैं अपने आपको उनको जैसा ही महसूस करता हूँ।

प्रति घंटे की दर से नियुक्त हो रहे शिक्षक

राजस्थान सरकार नए अध्यापकों को नियुक्ति देने के बजाय गेस्ट फैकल्टी से चला रही काम

चाकसू, (निसं)। राजस्थान सरकार अपने कार्यालय में मनचाही जगह बिना किसी पूर्व योजना के स्कूल, कॉलेज खोलती आ रही है। इनके लिए अभी तक भी भूमि, भवन, स्टाफ एवं संसाधन उपलब्ध नहीं हो सके हैं। आधा सत्र जा रहा है उच्च माध्यमिक विद्यालयों के पास पर्याप्त शिक्षक तक नहीं हैं। विद्यार्थियों का भविष्य भगवान भरोसे चल रहा है। राजस्थान सरकार नवीन नियुक्तियों देने के स्थान पर रिक्त पदों पर गेस्ट फैकल्टी योजना के तहत एक निश्चित मानदेय पर प्रति घंटे के हिसाब से शिक्षक नियुक्ति का प्रयास कर बालकों के लिए अध्यापन की व्यवस्था कर रही है।

घोषित कार्यक्रम के अनुसार गुरुवार को रिक्त पदों पर स्कूलों को प्राप्त आवेदनों की जांच करने का दायित्व सूची चयन कर दी गई है। चयन के बाद विद्यार्थियों के प्रिंसिपल द्वारा तैयार चयन समिति को दिया गया है। इसमें पात्र शिक्षक बेरोजगार युवकों एवं सेवानिवृत्त शिक्षकों ने आवेदन किया है। हालांकि नवीन नियुक्तियाँ नहीं देने एवं मानदेय पर शिक्षक समायोजन का राजस्थान सरकार का प्रयास कर रही है।

शिक्षक संगठन बेरोजगार युवकों को भर्ती करने का दबाव बना रहे हैं

शिक्षक नेता महावीर प्रसाद गुप्ता, रामस्वरूप गुर्जर आदि प्रबल विरोध कर रहे हैं। सरकार पर बेरोजगार युवकों को भर्ती करने का दबाव बना रहे है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बालिका सीनियर सेकेंडरी स्कूल चाकसू, शौतला माता, उच्च माध्यमिक विद्यालय बरखेड़ा, जानकी बल्लभ पुर, काठवाला, खेड़ा लखणा, मानपुर, निमोडिया, चाकसू रेलवे स्टेशन, रूपवास, सवाई माधोसिंह पुर, स्वामी का बास, धृणी अभियान, महात्मा गांधी स्कूल शिवदासपुरा में अध्यापकों की पोस्ट रिक्त है। ब्लाक शिक्षा अधिकारी कार्यालय चाकसू से प्राप्त जानकारी के अनुसार चाकसू ब्लाक के संबंधित विद्यालयों के बाहर प्राप्त आवेदन पत्र जांच के साथ वरियता सूची चयन कर दी गई है। 11 नवंबर को मूठ दस्तावेज की जांच, 12 को नियुक्ति आदेश जारी एवं 19 को कार्यभार ग्रहण करने की अंतिम तिथि है।

छात्राओं को मिलेंगे ई वॉलेट, दुकान से अपनी पसंद की साइकिल ले सकेंगी

- 3.50 लाख छात्राओं को पहली बार पसंद की साइकिल खरीदने का मौका
- शिक्षा विभाग से तैयार नहीं हो पा रहा टेंडर डॉक्यूमेंट
- ई. डब्ल्यू. एस वर्ग की छात्राओं को भी नि:शुल्क साइकिल देने की घोषणा की

ले सकेंगी। इसके लिए छात्राओं को ई वॉलेट दिया जाएगा, जिसे कंपनी के शो रूम पर देना होगा। कंपनी को पेमेंट बैंक से हो जाएगा। यदि किसी छात्रा को सरकार की ओर से तय दर से ऊंची दर वाली साइकिल पसंद है तो बड़ी हुई रकम छात्रा को ही देने होगी। सरकार की ओर से केवल निर्धारित दर का ही

पुगतान होगा। दरअसल कंपनियों ने टेंडर शर्तों को पूरी तरह स्पष्ट करने को कहा है। प्रति साइकिल की कीमत 3500-4000 रुपए अनुमानित होने पर साल का बजट करीब डेढ़ सौ करोड़ रुपए तक बैठता है। साइकिलों की सप्लाई सीधे ब्लांक स्तर पर होगी। इसके लिए

कंपनी को राज्य के 370 ब्लांक मुख्यालयों पर उपयुक्त अस्थायी शो रूम खोलने होंगे। कंपनी को साइकिल का पुगतान सीधे बैंक से होगा। इसमें शिक्षा निदेशालय का कोई हस्तक्षेप नहीं रहेगा। राज्य सरकार ने ई. डब्ल्यू.एस वर्ग की कक्षा 6 से 8 तक की छात्राओं को भी नि:शुल्क साइकिल देने की घोषणा की है। राज्यभर में इस वर्ग की 60 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाली 5800 छात्राओं को लाभांशित करने का लक्ष्य रखा गया है। शर्त ये है कि उनके माता-पिता को वार्षिक आय एक लाख से कम होनी चाहिए। सरकार ने इस बार विभिन्न कंपनी

और मॉडल की साइकिलें वितरण करने के आदेश दिए हैं। नए बलवान को लेकर विभाग के अधिकारी कंपनी, मॉडल और रेट तय नहीं कर पा रहे। एक्सपर्ट के अनुसार विभाग को नई शर्तों के तहत सभी कंपनियों से प्रस्ताव मंगवाने चाहिए। छात्राओं से भी ऑफर लिया जाए कि उन्हें किस कंपनी और मॉडल की साइकिल चाहिए। उसके बाद रेट तय कर नए सिरे से टेंडर डॉक्यूमेंट तैयार किया जाए। निदेशक, माध्यमिक शिक्षा ने बताया कि साइकिल वितरण योजना के प्रावधानों में कुछ बदलाव किया गया है। जिसकी प्रक्रिया चल रही है। जल्द ही पात्र छात्राओं को लाभांशित किया जाएगा।



राशिफल

शुक्रवार 11 नवम्बर, 2022

मार्गशीष मास, कृष्ण पक्ष, तृतीया तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत् 2079, मृगशिरा नक्षत्र शनिवार प्रातः 7:33 तक, सिद्ध योग रात्रि 10:02 तक, वणिज करण प्रातः 7:25 तक, चन्द्रमा आज सायं 6:17 से मिथुन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-तुला, चन्द्रमा-वृष, मंगल-मिथुन, बुध-तुला, गुरु-मीन, शुक-तुला, शनि-मकर, राहु-मेघ, केतु-तुला राशि में।

आज राजयोग सूर्योदय से रात्रि 8:18 तक है। भद्रा प्रातः 7:25 से रात्रि 8:18 तक रहेगी। शुक वृश्चिक में रात्रि 8:09 पर प्रवेश करेगा। आज सौभाग्य सुन्दरी व्रत है।

श्रवण चौराडिया: चर सूर्योदय से 8:08 तक, लाभ-अमृत 8:08 से 10:50 तक, शुभ 12:12 से 1:32 तक, चर 4:13 से सूर्यास्त तक। राहुकाल: 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 6:47, सूर्यास्त 5:34

मेघ
आर्थिक कारणों से अटक हुए कार्य बनने लगे। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

तुला
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। व्यावसायिक अड़चनं अभी यथावत बनी रहेगी। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य गिरावू सकते हैं। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा।

वृष
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होगा। अटक हुए कार्य बनने लगे। चलते कार्यों में आ रही अड़चनं दूर होने लगेगी। आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

वृश्चिक
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं। व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा।

मिथुन
आर्थिक मामलों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। धन हानि हो सकती है। नौकरपेशा व्यक्तियों को उच्चायिकारियों की नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है।

धनु
व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। संभावित खोत से धन प्राप्त होगा। घर-परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

कर्क
व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है। व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा। आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

मकर
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक सफलता से मनोबल बढ़ेगा। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेंगी। नौकरपेशा व्यक्तियों को तनाव से राहत मिल सकती है। व्यक्तित्व प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

सिंह
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रतासुगमता से बनने लगे। व्यावसायिक तार्ता सफल रहेंगी। आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

कुंभ
घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेंगी। शुभ कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है। परिवार में मांगलिक संदेश प्राप्त होगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। शुभ कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होगा।

मीन
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। आवश्यक कार्यों में परिश्रम से सहयोग मिलेगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।